

nt>

Title: Situation of drought prevailing in Bihar.

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' (बेगूसराय) : अध्यक्ष महोदय, वार्ता ऋतु के आरम्भ में पूरा उत्तर बिहार बाढ़ की चपेट में था और वार्ता ऋतु के बाद पूरा दक्षिण बिहार सूखे की चपेट में है। आज वहां सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं है। किसी भी डैम में पानी का जो स्टॉक होना चाहिए, वार्ता न होने के कारण वह नहीं है। 99 परसेंट स्टेट के ट्यूबवैल्स बंद हैं। निजी नलकूप बिजली के अभाव में चल नहीं रहे हैं। पूरा राज्य जो देश को दलहन देता था, उस की कहीं पैदावार लगायी नहीं जा सकी। आज भी प्रश्न संख्या 64 के उत्तर में सरकार ने स्वीकार किया है कि बिहार को सूखे से निपटने के लिए एक नया पैसा नहीं दिया गया है। राज्य सरकार के स्तर पर सूखे से निपटने के लिए जो तैयारी होनी चाहिए, उसे इसकी कोई चिन्ता नहीं है। उनको इससे कोई मतलब नहीं है। **â€**(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Do not raise a State issue here except drought.

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' : मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से यह मांग करना चाहता हूँ कि वह यहां से एक केन्द्रीय टीम भेजे जो सूखे की स्थिति का आकलन करे और बिहार को सूखाग्रस्त क्षेत्र घोषित करे। **â€**(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You are supporting each other now. It is very good.